Today's Poem – 20.08.2014

बाप है दुःख हर्ता सुख करता

हमें सुख शांति का रास्ता बताता

बाप को याद करने से दुःख दूर हो जायेंगे

अन्त मति सो गति हो जाएगी

आत्मा सतोप्रधान बन जाएगी

इन आखों से ईविल (बुरा) नहीं देखना

बाप ने जो ज्ञान का तीसरा नेत्र दिया है, उस सिविल नेत्र से ही देखना

सतोप्रधान बनने का पूरा पुरूषार्थ करना

गृहस्थ व्यवहार को सम्भालते हुए प्यारी चीज बाप को याद करना

बाप बच्चों को अपने समान सम्पन्न और सम्पूर्ण देखना चाहते

इसलिए बाप बच्चों को बड़े प्यार से सिखाते, समझाते

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!